खबर संक्षेप

सेवा, संकल्प और राष्ट्रभाव का सशक्त संगमः एकेएस विश्वविद्यालय का एनएसएस शिविर बना परिवर्तन का आधार

सतना। जब सेवा केवल कार्यक्रम नहीं बल्कि जीवन दृष्टि बन जाती है,तब उसके परिणाम समाज में स्पष्ट दिखाई देते हैं। एकेएस विश्वविद्यालय,सतना की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा ग्राम पंचायत सोहावल में 28 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर ने इसी विचार को साकार रूप दिया-जहां युवा शक्ति ने अनुशासन,समर्पण और राष्ट्रभाव के साथ समाज के बीच अपनी सक्रिय भूमिका दर्ज कराई। लगभग 104 स्वयंसेवकों की भागीदारी वाला यह शिविर केवल गतिविधियों का संकलन नहीं,बल्कि उस व्यापक दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण रहा जिसमें "नॉट मी बट यू" का भाव केंद्र में है-एक ऐसा सिद्धांत जो व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ता है। इन सात दिनों में स्वयंसेवकों ने सोहावल खेल परिसर,सतना नदी स्थित बाबा घाट एवं मुक्तिधाम क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया। जल गंगा संवर्धन योजना के अंतर्गत मेड बंधान जैसे कार्यों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास किए गए। वहीं,नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के माध्यम से 400 से अधिक ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया गया-यह दर्शाता है कि सेवा यहां प्रतीकात्मक नहीं,बल्कि परिणाममुखी रही। इस अवसर पर शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। ग्राम पंचायत सोहावल के सरपंच अजय चतुर्वेदी (राजा भैया) को उनके सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम अधिकारी डॉ.दीपक मिश्रा,अयोध्या पाण्डेय,सुश्री गरिमा सिंह एवं डॉ.रमा शुक्ला को शिविर के सफल संचालन हेतु सम्मानित किया गया। यह शिविर केवल सात दिनों की गतिविधि नहीं,बल्कि उस विचार का विस्तार बनकर उभरा जिसमें सेवा,अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण को विकास की आधारशिला माना गया है-जहां युवा केवल सहभागी नहीं,बल्कि परिवर्तन के वाहक बनकर सामने आते हैं।

मैहर के देवी चौकी इलाके में युवक से मारपीट का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

मैहर। देवी जी चौकी क्षेत्र में एक युवक के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। मोनू गुप्ता नामक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है,जिसमें वह अपने साथ हुई मारपीट की बात बता रहा है। वायरल वीडियो में मोनू का आरोप है कि उसे अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की।

वहीं,पुलिस के अनुसार मोनू पहले भी इलाके में लोगों पर पत्थर फेंककर विवाद करता रहा है। इस संबंध में पत्थर फेंकने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। सीएसपी महेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए मामला संज्ञान में आया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवक मानसिक रूप से अस्थिर प्रतीत होता है और अक्सर लोगों को परेशान करता था। फिलहाल वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है।उन्होंने कहा कि यदि जांच में युवक के साथ मारपीट की पुष्टि होती है,तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं चौकी प्रभारी रंजीत सिंह ने बताया कि अभी तक पीड़ित की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। शिकायत मिलने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धदात्री मंदिर में चोरीः पुलिस ने आरोपी माँ-बेटे को दबोचा,चोरी के पैसों से खरीदी थी बाइक

सतना। कोलगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिरला रोड स्थित माँ सिद्धदात्री मंदिर में हुई जेवरातों की चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने एक युवक और उसकी माँ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

क्या था मामला?

बीती 30 मार्च की सुबह अज्ञात चोरों ने पुराने राज्य परिवहन निगम डिपो के पास स्थित सिद्धदात्री मंदिर को निशाना बनाया था। चोरों ने मंदिर के स्टोर रूम का प्लाईवुड का दरवाजा तोड़कर अंदर रखे माता के सोने-चांदी के कीमती जेवरात पार कर दिए थे। मंदिर के पुजारी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मुखबिर और सीसीटीवी से मिला सुराग

थाना प्रभारी सुदीप सोनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच तेज करते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसी दौरान सूचना मिली कि एक युवक सराफा बाजार में सोने-चांदी के जेवर बेचने की फिराक में है।

आरोपी का कबूलनामा

संदेह के आधार पर पुलिस ने गोपाल टोला निवासी रोशन केशरवानी 19 वर्ष को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने मंदिर में चोरी की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि उसने चोरी के जेवरात बेच दिए हैं। जेवरात बेचकर मिले रुपयों से उसने एक नई बाइक भी खरीद ली।

सह-आरोपी माँ भी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर नई बाइक जब्त कर ली है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी की माँ,मीना केशरवानी को इस पूरे अपराध की जानकारी थी। पुलिस ने बेटे का सहयोग करने और अपराध छिपाने के आरोप में माँ को भी सह-आरोपी बनाया है।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए आरोपी

कोलगवां पुलिस ने कार्यवाही पूरी कर माँ-बेटे दोनों को न्यायालय में पेश किया,जहाँ से माननीय न्यायाधीश के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

परीक्षा में फेल होने पर घर से भागीं दो छात्राएं सुरक्षित बरामद, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

सतना। परीक्षा परिणाम उम्मीद के मुताबिक न आने और फेल हो जाने के डर से उपजे तनाव के कारण मारुतिनगर से लापता हुई दो नाबालिग छात्राएं पुलिस की तत्परता से सुरक्षित मिल गई हैं। सिटी कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर दोनों को रेलवे स्टेशन से दस्तयाब (बरामद) किया।

क्या है पूरा मामला?

घटना शुक्रवार,3अप्रैल की है। मारुतिनगर निवासी अंजलि शुक्ला (कक्षा 8वीं,संतकुंज आदर्श विद्यापीठ की छात्रा) और उसकी सहेली अदिति सिंह (क्राइस्ट ज्योति स्कूल की छात्रा) हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम में अनुत्तीर्ण हो गई थीं। इस बात से दोनों काफी दुःखी थीं। शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे दोनों ने आपस में राय बनाई और 'खेलने जाने' का बहाना बनाकर घर से निकल गईं। जब काफी देर तक दोनों वापस नहीं लौटीं,तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका में सिटीकोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस की सक्रियता और सीसीटीवी का सहारा

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएसपी देवेंद्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में टीआई रावेंद्र द्विवेदी ने तुरंत तीन अलग-अलग टीमें गठित कीं। पुलिस टीम ने शहर के सीसीटीवी कैमरों की जांच की,जिसमें दोनों छात्राएं सर्किट हाउस के पास एक ऑटो में सवार होती दिखीं। पुलिस ने ऑटो चालक का पता लगाया, जिसने बताया कि उसने दोनों लड़कियों को नए बस स्टैंड पर छोड़ा था और वे आपस में 'रीवा' जाने की बात कर रही थीं।

रेलवे स्टेशन पर मिलीं छात्राएं

ऑटो चालक से मिले इनपुट के बाद एक टीम तुरंत रीवा के लिए रवाना की गई,जबकि दूसरी टीम बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और दुकानदारों से पूछताछ करती रही। अंततः मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम महिला आरक्षकों के साथ रेलवे स्टेशन पहुंची,जहां दोनों छात्राएं मिल गईं।

परिजनों को हिदायत और सुपुर्दगी

पुलिस दोनों छात्राओं को सुरक्षित कोतवाली लेकर आई और उनके परिजनों को सूचित किया। थाने में परिजनों की मौजूदगी में दोनों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को समझाया कि जीवन में असफलता से घबराकर ऐसा कदम उठाना गलत है और उन्हें दोबारा ऐसी गलती न करने की हिदायत दी।कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों को उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

संतोषजनक जवाब नहीं तो 2 लाख का अर्थदंड

मैहर। मैहर जिले के सोनवारी स्थित सेंट माइकल सीनियर शिक्षा अधिकारी ने नोटिस थमाया है। डीईओ ने पत्र में लेख किया है कि तीन दिन में संतोषजनक जबाव नहीं मिलने पर 2 लाख रुपए अर्थदंड देना होगा। विकास पाण्डेय नाम के अभिभावक ने 15फरवरी को शिकायत दर्ज कराई है। कहा गया है कि पढ़ रहे बच्चों के अभिभावकों के ऊपर दबाव डाला जाता है कि स्कूल में ड्रेस व कॉपी किताब खरीदे। साथ ही बाहर की चिह्नित दुकान में शिक्षण सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। जबकि शासन स्तर से रोक है। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से निजी स्कूल की मनमानी का खुलासा किया है।

शिकायत पाई गई सही:

डीईओ गिरीश अग्निहोत्री ने पत्र में बताया है कि जांच दल गठित किया गया था। सांदीपनि विद्यालय मैहर के नेतृत्व में शासकीय हाई स्कूल मैहर प्राचार्य ने 10 अभिभावकों ने स्कूल के खाते में किया पेमेंट जांच के दौरान उपस्थित 10 अभिभावकों द्वारा संस्था की महंगी किताबें एवं ड्रेस संस्था में दिए जाने एवं निश्चत दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य किया जाने का कथन दिया है।ज्यूस बेंजमिन के खाते में बुक का पेमेंट लिए जाने का बैंक डिटेल संलग्न किया जाता है। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश दिनांक 1 अप्रेल 2026 का पालन करने हुए 2 लाख रुपए शास्ति अधिरोपित की जाय। प्रतिवाद का समय 3 दिन रहेगा। जांच की है। प्रतिवेदन में बताया है कि संस्था द्वारा अभिभावकों पर विद्यालय से ड्रेस,पुस्तक खरीदने का दबाव डाला जाता है। जांच के दौरान संस्था की पुस्तकों के बंडल मिले है।

तिलौरा पंचायत में विकास के नाम हो रहा राशि का दुरुपयोग

जनपद पंचायत के अधिकारी और सरपंच-सचिव मिलकर लगा रहे जनपद पंचायत को चूना

मैहर। मैहर जिले के अंतर्गत आने वाला ग्राम पंचायत तिलौरा इस समय सुर्खियों में बना हुआ है क्यों कि पंचायत में शायद ही ऐसा कोई कार्य पूरा किया हो नहीं तो राशि निकाल कर हजम कर ली गई है और कागजों में पूरा कर दिया है। इस पंचायत में तो पानी के टेंकर तक गायब हो चुके है जिसका आज तक पला नहीं चला है। पंचायत में रखे गए सस्ते फर्जीचरों की मनमानी राशि अदा की गई है। अभी नए साल को निकले तीन महीने ही हुए है मगर कई विकास कार्यो की राशि निकाली गई मगर कार्य कुछ भी नहीं हुआ है। यही नहीं पिछले साल भी फर्जी बिलों से लाखों की राशि निकाल कर हजम की गई। इस पंचायत की 9 माह में निकाली राशि की जांच की जाए तो हो सकता भ्रष्टाचार के रिकार्ड भी टूट सकते है। फर्जी बिल लगाकर ईडी लाइट की सरपंच और सचिव ने हजम की है जिसकी जांच के बाद दोनों से आधी आधी राशि की वसूली किए जाने के आदेश भी हुए लेकिन जनपदप पंचायत के भ्रष्टाचार के भार से दबा दी गई और आज तक उसकी वसूली नहीं की जा सकी है।

सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की स्मारिका परिवहन पद का विमोचन, वर्तमान कार्यकारिणी भंग

सतना। शहर की अग्रणी सामाजिक एवं व्यावसायिक संस्था सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन रविवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्था की उपलब्धियों पर आधारित स्मारिका 'परिवहन पद 2024-26' का विमोचन किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवा देने वाली विभूतियों का सम्मान किया गया।

वरिष्ठों और प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और अध्यक्षीय उद्बोधन से हुआ। संस्था की परंपरा को जीवित रखते हुए पूर्व महामंत्री संजय गुप्ता,लायंस क्लब गवर्नर (एमपी-छत्तीसगढ़) पवन मलिक, शान मोहम्मद (सानू क्रेन),दिलीप जायसवाल (चेयरमैन वीआरसी),देवेंद्र जैन और बिरला सीमेंट के वाइस प्रेसिडेंट रजनीश पांडे का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया गया। साथ ही,अमर ज्योति परिवार के मेधावी बच्चों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया।

ध्वनि मत से पारित हुआ आय-व्यय का ब्यौरा

द्वितीय सत्र में महामंत्री अभिषेक जैन ने संस्था का वार्षिक लेखा-जोखा और ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की। सदन में उपस्थित सदस्यों ने चर्चा के उपरांत सर्वसम्मति और ध्वनि मत से इसे पारित किया। इसके पश्चात,लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अध्यक्ष मनोज शर्मा ने वर्तमान कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही आगामी चुनाव की रूपरेखा तैयार कर नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

विशिष्ट अतिथि के रूप में विंध्यचैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा,पुष्पेंद्र द्विवेदी और अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल मौजूद रहे। इस अवसर पर रामावतार चमड़िया,जेठानंद वाधवानी, रवि मीरानी,जसविंदर सिंह भाटिया,कन्हैया लाल पोहानी,राजेंद्र ताम्रकार सहित सैकड़ों ट्रांसपोर्टर एवं व्यवसायी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन कार्यालय सचिव जितेंद्र बर्मन द्वारा किया गया।

उधना-जयनगर-उधना के मध्य चलेगी 'समर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन'

सतना।

गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और मांग को देखते हुए रेलवे द्वारा उधना - जयनगर - उधना (09061/09062) के मध्य अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख स्टेशनों-इटारसी,जबलपुर,कटनी और सतना से होकर गुजरेगी।

ट्रेन की समय-सारणीः

गाड़ी संख्या 09061 (उधना से जयनगर): यह ट्रेन 05 एवं 12 अप्रैल (रविवार) को उधना से रात 01:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह दोपहर 12:50 बजे इटारसी,16:40 बजे जबलपुर,18:15 बजे कटनी और 19:55 बजे सतना पहुँचते हुए सोमवार दोपहर 14:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 09062 (जयनगर से उधना): वापसी में यह ट्रेन 06 एवं 13 अप्रैल (सोमवार) को जयनगर से 17:30 बजे रवाना होगी। अगले दिन यह 11:40 बजे सतना, 13:15 बजे कटनी,15:15 बजे जबलपुर और 19:00 बजे इटारसी पहुँचकर बुधवार सुबह उधना पहुँचेगी।

मुख्य विशेषताएंः

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास के कुल 22 कोच होंगे।

मार्ग में यह प्रयागराज छिवकी,पंडित दीन दयाल उपाध्याय,पटना और समस्तीपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भी रुकेगी। यात्री विस्तृत जानकारी के लिए रेल मदद हेल्पलाइन 139 या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं।

ग्राम पंचायत सोनवारी में कांग्रेस पंचायत कमेटी का गठन, तय की गई पंचायत के अधिकारियों की जिम्मेदारियां

मैहर।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैहर के तत्वावधान में ग्राम पंचायत सोनवारी एवं ग्राम पंचायत पिपरीकला में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस पंचायत कमेटी का गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में संगठन विस्तार,कार्यकर्ताओं की भूमिका और जन समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैहर के अध्यक्ष रमेश प्रजापति रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी संगठन को बूथ,पंचायत और वार्ड स्तर तक मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर मजबूत संगठन होने से पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं को सुनें और उन्हें शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा गरीब,किसान, मजदूर और आम जनता की आवाज उठाने वाली पार्टी रही है और आगे भी इसी दिशा में काम करती रहेगी। बैठक में उपस्थित मंडलम अध्यक्ष अक्षत भैया,मोहम्मद शरीफ,रामप्रसाद पटेल और राघवेंद्र अहिरवार सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

खबर संक्षेप

भविष्य से भेंट, कार्यक्रम में बच्चों से हुई रूबरू तहसीलदार

पन्ना। शाहनगर तहसीलदार श्री मति कोमल सिंह ने शनिवार के रोज शासकीय विद्यालयों का दौरा भविष्य से भैंट कार्यक्रम के तहत किया जहां छात्रों को पढ़ाया, जीवन के अनुभव साझा किए और उन्हें लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन व उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया साथ ही छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाते हुये शिक्षा के प्रति प्रेरित एवं मार्गदर्शन प्रदान कराया ।

हाईटेंशन तार में निकली चिन्गारी, महिला हुई बेसुध

पन्ना। थाना शाहनगर क्षेत्रांअन्तर्गत एन एच 43 पन्ना कटनी मार्ग पर धर्मपुरा पेट्रोल पम्प के सामने खेतों पर गैन्हू की कटाई कर रही महिला बुरी तरह विद्युत तारों से निकली चिन्गारी की चपेट में आने से दुर्घटनाग्रस्त हो गयी जिसे आन फानन में खेत के पास कृषि कार्यों मे जुटे किसानों ने शाहनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इलाज के लिया गया। प्राप्त जानकारी के श्री मति रानी बाई चौधरी पति मनोज चौधरी उम्र 30वर्ष जो अपने पति मनोज चौधरी के साथ अपने धर्मपुरा हार के खेतों मे गैन्हू की फसल की कटाई कर रही थी तभी दोपहर 2बजे तेज आंधी और तुफान के कारण खेतों के ऊपर से निकली 11केव्ही लाइन गुजरी थी जिसमे तारों से निकली चिन्गारी नीचे गिरी जिसकी चपेट मे महिला आने से ततकाल बेसुध हो गयी जिसका ततकाल प्राथमिक उपचार बीएमओ डॉ सर्वेश लोधी ने किया बेहतर इलाज के लिये कटनी रेफर कर दिया गया साथ ही बीएमओ ने बताया की महिला की हालत ठीक है पर और बेहतर ईलाज हो जिसके लिये कटनी रेफर कर दिया गया है।

अमानगंज से युवती लापता, गुमशुदगी दर्ज

अमानगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गड़ोखर निवासी 65 वर्षीय अच्छे लाल चौधरी ने थाना पहुंचकर अपनी 21 वर्षीय पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। फरियादी ने बताया कि वह खेती-किसानी का कार्य करता है और 3 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 10 बजे वह भूसा भरने खेत चला गया था। घर पर उसकी पत्नी बारीबईया चौधरी, बड़ी बेटी ममीता चौधरी और छोटी बेटी सबीना (सचीना) चौधरी मौजूद थीं। दोपहर करीब 3रू30 बजे जब वह घर लौटा, तब उसकी पत्नी ने बताया कि दोपहर करीब 2रू30 बजे सबीना शौच के लिए घर से निकली थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने गांव, मोहल्ले और रिश्तेदारों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। फरियादी ने आशंका जताई है कि गांव का ही युवक हरिचंद कोरी, जो वर्तमान में घर पर नहीं है, उसकी पुत्री को अपने साथ ले गया हो सकता है। लापता युवती का हुलिया लगभग 4.6 फीट कद, गोरा रंग, सामान्य शरीर है तथा माथे पर चोट का निशान बताया गया है। घटना के समय वह हल्के गुलाबी रंग का सलवार-सूट और पीले रंग का दुपट्टा पहने हुई थी। थाना अमानगंज पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रंजीश के चलते युवक पर कुल्हाडी से किया वार

पन्ना। शाहनगर थाना क्षेत्रांअन्तर्गत चहकना गांव मे शनिवार की रात्रि 9रू30पर आपसी रंजीश की लेकर चहकना गांव के भटिया रास्ते पर जब फरियादी सुम्मेर सिह यादव पिता जवाहर सिंह यादव 28वर्ष घर लौट रहे थे तभी रास्ता रोककर बद्रीप्रसाद यादव पिता बल्लु यादव और उसका भाई परषोत्तम यादव बोले की क्यों तु ज्यादा होशियार बनता है और गालीगालौज करते हुये हाथ ली हुई कुल्हाडी मेरे पखौरा मे मार दी मे बचा और कुल्हडी लेकर भाग अपनी जान बचाते हुये घर भाग निकला तत्काल 112पुलिस वाहन को घटना की जानकारी दी मौके पर पहंचे वाहन के साथ रात मे आकर अस्पताल मे भर्ती कराया सुबह जाकर थाना मे रिपोर्ट दर्ज कराई।

केन बेतवा लिंक परियोजना व रूंझ डेम तथा मझगांय डेम से प्रभावित परिवारों की लड़ाई न्याय की मांग को लेकर अमित भटनागर के नेतृत्व में जिला मुख्यालय से डायमण्ड चौक से दिल्ली रवाना

केन बेतवा लिंक परियोजना वैसे तो लंबे अर्से से चर्चा का विषय तो है ही वहीं इस परियोजना में प्रभावित परिवारों को लेकर जहां स्थानीय स्तर पर कई बार संघर्ष अमित भटनागर के नेतृत्व में सुर्खियां बटोर चुका है

पन्ना।

वहीं अमित भटनागर के द्वारा जहां विगत दिवस से ही दिल्ली रवाना के लिये न्याय की मांग को लेकर दिल्ली कूच का नारा दिया जा रहा था जो आज पन्ना जिले के डायमण्ड चौक में प्रषासन ने जहां रोका बात-चीत की ऐसे वाहन जिनमें खतरे के हालात थे उनमें नहीं बल्कि बसों में लोग दिल्ली के लिये पन्ना जिला मुख्यालय से अपनी मांग को लकर आगे बढे कुछ अपने वाहनों से भी गये।

केन बेतवा लिंक सिंचाई परियोजना व रूंझ डेम तथा मझगांय डेम में मुआवजे की मांग अभी थमने का नाम नहीं ले रही यहां अमित भटनागर के नेतृत्व में प्रभावित परिवार मुआवजे की मांग को लेकर कई बार स्थानीय स्तर पर चाहे केन बेतवा लिंक परियोजना में डेम स्थल पर विरोध की बात हो या जिला मुख्यालय में इसका विरोध सुर्खियां बटोर चुका है। रूंझ डेम व मझगांय डेम की परियोजना तो पूर्ण होने की स्थिति में है वहीं प्रभावित परिवार अभी भी मुआवजे की मांग को लेकर अपनी न्याय की दुहाई दे रहे है। साथ ही वहीं केन बेतवा लिंक परियोजना के प्रभावित परिवार भी जुड़ चुके है। इन सबका नेतृत्व अमित भटनागर के द्वारा लंबे अर्से से किया जा रहा है। गौर तलब बात यह है कि ये प्रभावित परिवार पहले घर-घर से आटा भी जोड़ा वहीं दिल्ली जाने के लिये सब एक होकर जिला मुख्यालय में अपने वाहनों से पहुंचना चाहते थे लेकिन प्रषासन ने इन्हें ऐसे वाहनों के रोकने का दावा किया है जिनमें यात्रा नहीं की जानी चाहिये थी कोई घटना कारित न हो जाये। वही अमित भटनागर ने आरोप लगाया कई जगह रोका गया मामला चाहे जो हो पर डायमण्ड चौक पन्ना में काफी संख्या में महिला पुरूषों के साथ अमित भटनागर सडक में ही बैठ गये पहले तो रैली के रूप में जाना चाहते थे जिन्हें स्थानीय प्रषासन ने रोका वहीं समझाइस का दौर जारीरहा अंततः यात्री बसों के माध्यम से डायमण्ड चौक से छतरपुर की ओर रवाना हुये। समाचार लिखे जाने तक अमित भटनागर बमीठा पहुंच चुके है जहां से दिल्ली कूच करने की तैयारी अभी भी जारी। गौरतलब बात यह है कि न्याय की मांग की जा रही है जंतर मंतर दिल्ली में अपना आंदोलन का रूख पहुंचकर बयां कर रहे है। ग्राम सभायें नहीं की गई मुआवजा का निर्धारण में क्या कमियां है कई सवाल प्रषासन व विरोध प्रदर्षनकारियों के बीच में कभी भी राज बने हुये है। आखिर कानून के तहत वास्तविकता में मुआवजा की लड़ाई कब पूरी होगी फिलहाल दिल्ली के लिये प्रभावित लोग रवाना हो चुके है। आगे होता है क्या सबकी नजर। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि चाहे सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि हो यो विपक्ष की भूमिका अदा करने वाली राजनैतिक पार्टियां इस मुद्दे से दूरी क्यों बनाये हुये है यह तो यही जाने पर यह मामला गांव से लेकर जिला मुख्यालय अब दिल्ली की बारी को लेकर जंतर-मंतर की तैयारी जहां आंदोलन को लेकर अमित भटनागर पन्ना जिला मुख्यालय से लेकर बमीठा तक फिलहाल पहुंच चुके है कब दिल्ली पहुंचेंगे वहीं आंदोलन को लेकर क्या होगा यह तो वक्त ही तय करेगा।

हीरों की चमक के बीच मना 68वां स्थापना दिवस, बृजेंद्र प्रताप सिंह की मौजूदगी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच विकास का संदेश

पन्ना।

मझगवां स्थित छडक्रू पन्ना डायमंड माइनस में 68वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाई।कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे परिसर में उत्साह का वातावरण बना रहा। छडक्रू लिमिटेड द्वारा संचालित यह परियोजना देश की इकलौती पूर्णतः यंत्रीकृत हीरा खदान है, जो पन्ना जिले की पहचान बन चुकी है। खदान में किम्बरलाइट पाइप आधारित ओपन-पिट माइनिंग के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों जैसे हैवी मीडिया सेपरेशन और ग्.तंल सोर्टिंग का उपयोग किया जाता है, जिससे हीरों की बेहतर रिकवरी सुनिश्चित होती है। यह परियोजना भारत की खनन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा रही है।अपने संबोधन में विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मझगवां हीरा परियोजना पन्ना जिले के विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रही है और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही है। उन्होंने कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि "यही टीमवर्क और प्रतिबद्धता इस परियोजना की सफलता की असली पहचान है।"उन्होंने आगे कहा कि "छडक्रू की यह परियोजना देश की बहुमूल्य धरोहर है, जो आधुनिक तकनीक के साथ पारदर्शिता से संचालित हो रही है। आने वाले समय में इसके और विस्तार से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।" साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पन्ना जिले की पहचान आज देशभर में हीरों के कारण बनी है, जिसमें इस परियोजना की अहम भूमिका है। यह परियोजना पन्ना टाइगर रिज़र्व के समीप स्थित है, इसलिए यहां पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विकास के साथ-साथ प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी और आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। अंत में सभी ने परियोजना की निरंतर प्रगति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 68वां स्थापना दिवस समारोह हीरों की चमक, सांस्कृतिक रंग और विकास के संकल्प का प्रतीक बनकर सामने आया।

देश की सुख-समृद्धि के लिए देवरी गढ़ी चौवन टोला में अखंड राम नाम संकीर्तन का आयोजन संपन्न

राम नाम संकीर्तन से गूंजा देवरी गढ़ी चौवन टोला,श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

पन्ना।

तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी गढ़ी चौवन टोला में देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना को लेकर अखंड राम नाम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार, शनिवार को विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन कर 24 घंटे की अखंड राम नाम संकीर्तन बैठकी प्रारंभ की गई। रविवार को विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं हवन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा और भगवान श्रीराम के जयघोष से माहौल धर्ममय हो उठा। ग्रामीणों ने बताया कि यह आयोजन देश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की भावना से किया गया, जिसमें ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा। धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया।

देवेंद्रनगर तहसील क्षेत्र के कुछ ग्रामों में बीती रात्रि हल्की ओलावृष्टि, किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें

कुछ किसानों की कट चुकी फसल, कई जगह गेहूं अब भी खेतों में खड़ी; देवरी गढ़ी से सामने आई तस्वीर

पन्ना।

देवेंद्रनगर तहसील क्षेत्र के कुछ ग्रामों में बीती रात्रि अचानक मौसम ने करवट ली, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ नजर आने लगीं। देर रात मौसम परिवर्तन के साथ हल्की बारिश और कुछ स्थानों पर सीमित स्तर पर ओलावृष्टि होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि ओलावृष्टि बहुत कम समय के लिए और कुछ चुनिंदा ग्रामों तक ही सीमित रही, लेकिन असमय बदले मौसम ने किसानों की चिंता जरूर बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में रात के समय अचानक बादल छाए और हल्की बूंदाबांदी के साथ कुछ ग्रामों में ओले भी गिरे। हालांकि यह स्थिति पूरे क्षेत्र में नहीं रही और ओलावृष्टि का असर सीमित स्थानों पर ही देखने को मिला। वर्तमान समय में देवेंद्रनगर तहसील क्षेत्र में रबी फसलों की कटाई का दौर चल रहा है। कुछ किसानों की गेहूं सहित अन्य फसलों की कटाई पूरी हो चुकी है, जबकि कई किसानों की गेहूं की फसल अभी भी खेतों में खड़ी हुई है। ऐसे में मौसम के अचानक बदले मिजाज ने उन किसानों की चिंता बढ़ा दी है, जिनकी फसल अभी कटाई की प्रतीक्षा में है। ग्रामीणों के अनुसार, जिन क्षेत्रों में हल्की ओलावृष्टि हुई है, वहां किसानों ने फसल को लेकर आशंका जताई है। हालांकि फिलहाल किसी बड़े नुकसान की स्पष्ट पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, जो तस्वीर सामने बताई जा रही है, वह ग्राम देवरी गढ़ी की बताई जा रही है, जिसे स्थानीय स्तर पर कैमरे में कैद किया गया है। फिलहाल किसान मौसम की अगली स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जल्द से जल्द कटाई कार्य पूरा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

नगर पालिका के नवनिर्मित प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने

पन्ना।

नगर पालिका परिषद पन्ना के भव्य प्रवेश द्वार का उद्घाटन पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीना पांडे, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।उद्घाटन के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने पन्ना नगर के समग्र विकास का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत को सहेजना भी उतना ही आवश्यक है।उन्होंने बुंदेलखंड के गौरव महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा स्थापना को ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की पहचान को मजबूती मिलेगी और आने वाली पीढ़ियां अपनी विरासत से जुड़ सकेंगी। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और सिंचाई के क्षेत्र में हुए बड़े कार्यों का उल्लेख किया। मेडिकल कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज, खोरा महाविद्यालय, अजयगढ़ में 220 केवीए पावर स्टेशन, पन्नादृपहाड़ीखेड़ा रोड उन्नयन, नहर पट्टी मार्ग, खोरा-भदैया पुल, नहरानहरी पुल और बिलहरी घाट पुल जैसे कार्य विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। इसके साथ ही जमुनिहा-सेहा बांध और बड़खेड़ा बांध के माध्यम से सिंचाई सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 210 किलोमीटर सड़कों का निर्माण करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा चुका है।शहर के सौंदर्यीकरण और खेल अधोसंरचना के विकास के लिए धर्मसागर रिंग रोड, छत्रसाल स्टेडियम, तलैया फील्ड में इंडोर स्टेडियम, बड़ी देवी मंदिर पुल, डायमंड पार्क, डायमंड म्यूजियम और हीरा कार्यालय भवन जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भी पूरे किए गए हैं, जो पन्ना को नई पहचान दे रहे हैं।अंत में बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पन्ना नगर को विकास के नए आयामों तक पहुंचाने के लिए आगे भी निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका अध्यक्ष मीना पांडे ने आभार व्यक्त किया।

अजयगढ़ उत्कृष्ट विद्यालय का प्रताड़ना मामला, वित्तीय अनियमित्ता और स्वेच्छाचारिता के गंभीर आरोपों के बाद शिक्षा विभाग की बड़ी कार्यवाही

पन्ना। अजयगढ़ शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अजयगढ़ की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रागनी नामदेव को उनके पद से तत्काल प्रभाव से पृथक कर दिया गया है। यह कड़ी कार्यवाही कलेक्टर पन्ना के निर्देश और एक सहायक शिक्षक की पत्नी द्वारा लगाए गए गंभीर मानसिक प्रताड़ना के आरोपों के बाद की गई है। विद्यालय का प्रभार अब संस्था के वरिष्ठ शिक्षक श्री जगदीश सिंह यादव को सौंपा गया है। मानसिक तनाव के कारण शिक्षक बिस्तर पर, परिवार आहत सहायक शिक्षक श्री संजय रैकवार की पत्नी श्रीमती नीलम रैकवार ने वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपे शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि प्रभारी प्राचार्य रागनी नागदेव पिछले दो वर्षों से उनके पति को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थीं। द्वेषवश वेतन रोकना, बार-बार अकारण स्पष्टीकरण जारी करना और एनसीसी (छब्ब्) के बिलों के भुगतान में बाधा डालने जैसे कृत्यों से श्री रैकवार अत्यधिक तनाव में थे। इसी प्रताड़ना के चलते 15 फरवरी 2026 को उन्हें गंभीर श्ब्रेन स्ट्रोकश् आया, जिसके बाद से वे बिस्तर पर हैं और उनका उपचार चल रहा है। जांच में खुलेगी अनियमितताओं और कारगुजारियों की परतें शिकायत के बाद हुई प्राथमिक जांच में प्रभारी प्राचार्य की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। आधिकारिक आदेश के अनुसार, श्रीमती नामदेव पर आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं जिनमें प्रशासनिक लापरवाही, वरिष्ठ कार्यालय के आदेशों की अवहेलना, लोक शिक्षण संचालनालय की महत्वपूर्ण वीसी (टब) और बोर्ड परीक्षा संबंधी बैठकों से अनुपस्थित रहना, वित्तीय अनियमितताएं एनसीसी बिलों का भुगतान न करना, मेडिकल लीव पर होने के बावजूद नियम विरुद्ध वेतन आहरण कराना और अतिथि शिक्षकों की भर्ती में धांधली, तानाशाही पूर्ण रवैया, कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार, डाक (जवाब) लेने से इनकार करना और जानबूझकर विभागीय मर्यादाओं का उल्लंघन करना शामिल है।

खबर संक्षेप

विक्रेता ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन) के माध्यम से ही उर्वरक करेंगे वितरण

कलेक्टर ने आदेश जारी किया, ई-टोकन से उर्वरक वितरण नहीं करने पर होगी कार्यवाही

छतरपुर। प्रदेशभर में 1 अप्रैल, 2026 से उर्वरक वितरण हेतु ई-विकास (ई-टोकन) प्रणाली लागू की गई है। जिसके संबंध में कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने आदेश जारी कर समस्त उर्वरक विक्रय केन्द्रों, जिले की समस्त प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समितियों, डबल लॉक केन्द्र, मार्केटिंग सोसायटियों, एम.पी.एग्रो एवं समस्त निजी विक्रेताओं को ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली के माध्यम से ही शतप्रतिशत उर्वरक वितरण ई-टोकन से ही करना सुनिश्चित करेंगे। ई- टोकन प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण नहीं करने की स्थिति में सम्बंधित के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

ई-टोकन से उर्वरक वितरण के बारे में

उर्वरक वितरण हेतु ई-विकास पोर्टल तैयार किया गया है। जिनमें कृषकवार जमीन की जानकारी, समस्त उर्वरक विक्रेताओं की जानकारी (डबल लॉक केन्द्र, मार्केटिंग सोसाइटी, पैक्स, एमपी एग्रो एवं निजी विक्रेता) शामिल हैं, फसलवार प्रति हेक्टेयर पर लगने वाली उर्वरक की मात्रा की गणना, उर्वरक विक्रय केंद्र में भी भंडारित मात्रा, प्रत्येक उर्वरक केंद्र पर एक निश्चित दिनांक को उपलब्ध स्कंध, इसके पश्चात विक्रय होने वाले उर्वरक शेष स्कंध की जानकारी उपलब्ध रहेगी। अनुसंशित मात्रा अनुसार कितना उर्वरक क्रय किया गया है, कितना शेष है, यह जानकारी भी प्रदर्शित होगी। ऑनलाइन पंजीयन हेतु किसान प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पैक्स), विपणन संघ के डबल लॉक केन्द्र मार्केटिंग सोसायटी, एम.पी. एग्रो के विक्रय केन्द्र एवं निजी विक्रेताओं के यहां से निःशुल्क पंजीयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त एम.पी. ऑन लाईन एवं कॉमन सर्विस सेन्टर के कियोस्क से निर्धारित शुल्क देकर पंजीयन करा सकते है। उर्वरक क्रय करने हेतु किसान को ऑनलाइन पंजीयन (ई-टोकन) आधार नंबर से किया जाना होगा। पंजीयन होने के पश्चात पोर्टल पर किसान की जमीन की जानकारी एग्रीस्टेक के माध्यम से प्रदर्शित होगी। किसान जमीन के खसरा नंबर व क्षेत्रफल में बोई जाने वाली फसल का चयन करेगा, जिसके आधार पर उर्वरक की मात्रा दिखेगी, इसके बाद एक ऑनलाइन मेसेज एवं ई-टोकन रजिस्ट्रेशन किसान को प्राप्त होगा। इस पंजीयन को लेकर किसान जिले के चयनित उर्वरक विक्रय केंद्र पर जाकर उर्वरक क्रय कर सकेगा। विक्रेता मोबाइल एप के माध्यम से किसान का ई-टोकन स्कैन कर, दिए जाने वाली उर्वरक की मात्रा प्रदर्शित होगी। जिसको विक्रेता उर्वरक की मात्रा एप में भरेगा। जिसके पश्चात विक्रेता द्वारा पीओएस के माध्यम में किसान को उर्वरक दिया जाएगा।

नर्मदा अपना अस्पताल पर गंभीर आरोप : महिला का 3 बार ऑपरेशन, मौत के बाद परिजनों का हंगामा, डेढ़ लाख रुपये वसूली का आरोप

नर्मदा अपना अस्पताल बना मौत का अड्डा? महिला का 3 बार ऑपरेशन, आखिरकार हुई मौत

छतरपुर।

सिटी कोतवाली अंतर्गत जवाहर मार्ग पर स्थित अपना नर्मदा अस्पताल में शनिवार की शाम को उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया। जब ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत पर परिजनों ने डॉक्टर शोहित अहिरवार और डॉक्टर राजपूत पर घोर लापरवाही के आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया।

हंगामे की खबर पाकर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर वहां से नदारद हो चुके थे। तब परिजनो ने दोनो डॉक्टरो के विरूद्ध एफआईआर की मांग की। मृतक सिया अहिरवार निवासी बार्ड नबर 2 छतरपुर के पति मुन्ना लाल अहिरवार ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी सिया अहिरवार का 10 दिन पहले बच्चेदानी का ऑपरेशन किया गया था। लेकिन ऑपरेशन के बाद जब उसका पेट फूलने लगा तो फिर से डॉक्टर शोहित अहिरवार और डॉ राजपूत को दिखाया तो उनके द्वारा सिटी स्कैन करवाया गया। जिसके बाद बताया गया कि पेट की एक नस दबी है जिस पर दोवारा ऑपरेशन किया गया लेकिन फिर भी तबीयत मे सुधार नहीं हुआ तो फिर से डॉ राजपूत को दिखाया तो पहले उनके द्वारा मल्टी सिटी अस्पताल सागर रोड़ में ऑपरेशन करने की बात कहीं गई। लेकिन बाद मे उनके द्वारा यह कहा गया कि नर्मदा अस्पताल मे ऑपरेशन होगा। और नर्मदा अस्पताल मे भर्ती करके उनके द्वारा ऑपरेशन किया गया ऑपरेशन के बाद महिला सिया अहिरवार की हालत खराब हुई और सुधार नहीं हुआ शाम को सिया अहिरवार की मौत हो गई।

मृतका के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा सही इलाज नहीं किया गया और बार-बार ऑपरेशन कर मरीज की जान के साथ खिलवाड़ किया गया। परिजनों ने यह भी कहा कि यदि समय पर उचित उपचार मिलता तो महिला की जान बचाई जा सकती थी।

घटना के बाद अस्पताल परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस ने मामला संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

नर्मदा अपना अस्पताल पर गंभीर आरोप : महिला का 3 बार ऑपरेशन, मौत के बाद परिजनों का हंगामा, डेढ़ लाख रुपये वसूली का आरोप -

शहर के निजी नर्मदा अपना अस्पताल में एक महिला की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया और अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि महिला का 3 बार ऑपरेशन किया गया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और अंततः उसकी मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल के डॉक्टरों ने इलाज के नाम पर करीब डेढ़ लाख रुपये वसूले, इसके बावजूद मरीज को उचित उपचार नहीं मिला। परिजनों का कहना है कि लापरवाही के चलते ही महिला की जान गई है। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन दिया।

इस पूरे घटनाक्रम में जब विधायक प्रतिनिध मोनू यादव का नाम उछल कर सामने आया तो मोनू यादव से बात चीत की गई, तो उन्होंने साफ शब्दों मे कहा की मेरी विधानसभा क्षेत्र के जाने कितने लोग अपनी समस्या लेकर आते है। लेकिन सुरेंद्र सिंह नाम का व्यक्ति आज तक उनके घर कभी नहीं आया और ना ही में सुरेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति को जानता हूँ। जो भी आरोप लगाए जा रहे है वह पूरी तरह से निराधार है।

नौगांव का 'विद्यार्थी मेला' बना मज़ाक : अव्यवस्था, लापरवाही और जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

नौगांव का 'विद्यार्थी मेला' फ्लॉप : 3 दिन तक बंद रहा आयोजन, गिने-चुने दुकानदार पहुंचे

नौगांव। छात्रों के हित में आयोजित किया गया 'विद्यार्थी मेला' इस बार अव्यवस्था और लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आया। मेले में बुनियादी व्यवस्थाओं की कमी और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते पूरी योजना सवालों के घेरे में आ गई। मौके पर पहुंचे छात्रों और अभिभावकों ने आरोप लगाया कि मेले में न तो पर्याप्त मार्गदर्शन की व्यवस्था थी और न ही स्टॉल सही तरीके से संचालित हो रहे थे। कई जगहों पर जानकारी देने वाले प्रतिनिधि मौजूद नहीं थे, जिससे छात्र भ्रमित होते रहे। बताया जा रहा है कि भीड़ प्रबंधन, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नदारद रहीं। इससे छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे बड़ी चूक यह रही कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने मेले का आदेश उसी दिन यानी 1 अप्रैल को दोपहर में जारी किया, जिस दिन से मेला शुरू होना था। बिना किसी पूर्व तैयारी और प्रचार-प्रसार के यह आदेश सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया। न दुकानदारों को समय पर सूचना दी गई, न ही अभिभावकों तक कोई जानकारी पहुंचाई गई।

अधिकारियों की चुप्पी और लापरवाही को लेकर अब स्थानीय लोगों और अभिभावकों में नाराजगी है। लोगों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न बने।

इनका कहना है -

अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि दुकानदारों को सूचना दी गई थी और अब वे जांच करेंगे कि आखिर वे क्यों नहीं पहुंचे।

महेंद्र प्रताप अहिरवार
विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नौगांव

मेला 1 अप्रैल से 5 अप्रैल तक आयोजित होना चाहिए था।आखिरकार 3 दिन तक क्यों आयोजित नहीं हुआ। तत्काल ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी से बात करते हैं जिसकी भी इसमें कमियां पाई होगी, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

गोपाल शरण पटेल
एसडीएम, नौगांव

नौगांव का 'विद्यार्थी मेला' फ्लॉप : 3 दिन तक बंद रहा आयोजन, गिने-चुने दुकानदार पहुंचे -

छात्रों के हित में आयोजित किया गया 'विद्यार्थी मेला' इस बार पूरी तरह अव्यवस्था और लापरवाही की भेंट चढ़ गया। हालात इतने खराब रहे कि 1, 2 और 3 अप्रैल तक मेला पूरी तरह बंद पड़ा रहा, जिससे पूरी योजना पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जहां 12 से 15 दुकानदारों के आने की उम्मीद थी, वहां मात्र 4 दुकानदार ही पहुंचे। इससे मेले की उपयोगिता और तैयारियों की पोल खुलकर सामने आ गई।

मौके पर पहुंचे छात्रों और अभिभावकों ने बताया कि मेले में न तो पर्याप्त मार्गदर्शन की व्यवस्था थी और न ही स्टॉल सही तरीके से संचालित हो रहे थे। कई जगहों पर प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति के कारण छात्र जानकारी के लिए भटकते रहे। भीड़ प्रबंधन, पेयजल, बैठने और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नदारद रहीं, जिससे छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिम्मेदार

गुण्डा परेड में आए सुरेंद्र सिंह की कोतवाली में बिगड़ी हालत, ग्वालियर ले जाते रास्ते में मौत

छतरपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रत्येक माह अपराधी तत्वों की संबंधित थानों मे गुण्डा परेड कराई जाती है। इसी क्रम में शनिवार को कोतवाली मे भी गुण्डा परेड कराई गई। जिसमे सरानी के सुरेंद्र सिंह सहित कई गुण्डा तत्वों को परेड में बुलाया गया। परेड मे शामिल होने के बाद गुण्डा लिस्ट में शामिल सुरेंद्र सिंह की हालत अचानक बिगडऩे लगी, तो उसे जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरो ने उपचार के बाद सुरेंद्र सिंह को ग्वालियर रेफर कर दिया। ग्वालियर ले जाते समय रास्ते में सुरेंद्र सिंह ने दम तोड़ दिया। हालांकि कोतवाली में जैसे ही सुरेंद्र सिंह की हालत बिगड़ी तो उसके परिजनों को सूचना दी गई थी, परिजनों में उसका भाई अस्पताल पहुंचा और साथ में ग्वालियर भी जा रहा था। इधर जैसे ही सुरेंद्र सिंह की मौत की खबर आई तो पुलिस का कहना है कि वह शराब के नशे मे कोतवाली आया था और शायद कुछ जहरीला पदार्थ भी खाए था। फिलहाल पोस्टमार्टम से स्थिति स्पष्ट होने की बात पुलिस द्वारा कही गई, उधर सुरेंद्र सिंह की मौत की खबर सुनकर परिजन आक्रोशित हो गए। परिजनों के आक्रोश को देखते हुए सीएसपी सहित नौगांव टीआई बाल्मीक चौबे, कोतवाली टीआई अरविन्द सिंह दांगी सहित भारी पुलिस बल अस्पताल पहुंच गया। पुलिस के द्वारा लगातार परिजनों को पोस्टमार्टम कराने के लिए समझाईश दी जा रही थी। और यह भी कहा जा रहा था कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मृत्यू का कारण स्पष्ट होगा। मृतक सुरेंद्र सिंह बृद्व माँ भानकुंवर का इस घटना के बाद रो-रो कर बुरा हाल है। और उसका स्पष्ट कहना है कि मेरे बेटे को मिलकर जहर खिला दिया गया है। माँ ने रियाज खान की भूमिका पर भी संदेह जताया है क्योंकि रियाज खान ही मृतक सुरेंद्र सिंह को साथ मे लेकर गया था।

परिजनों ने विधायक पुत्र पर मारपीट के लगाए आरोप -

सुरेंद्र सिंह की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होने के बाद मृतक की मां भान कुंवर ने आरोप लगाया की रियाज नामक युवक सुरेंद्र को विधायक ललिता यादव के आवास पर ले गया था। जहां पर विधायक पुत्र मोनू यादव से सुरेंद्र की नोकझोंक भी हुई थी और और मोनू यादव ने पुलिस को बुलाकर उसे कोतवाली भेज दिया था। लेकिन कोतवाली पहुंचते ही उसकी हालत बिगड़ गई, वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि थाने आने से पहले ही सुरेंद्र ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। जिससे गुण्डा परेड के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल से ग्वालियर रेफर कराया गया। फिलहाल सुरेंद्र सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे है। क्योंकि सुरेंद्र सिंह पर 16 अपराध पहले से दर्ज है अब कोतवाली पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच पड़ताल कर रही है।

मैं सुरेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति को जानता तक नहीं हूँ - **मोनू यादव**

खाना बनाते समय युवक आग में झुलसा

छतरपुर। लवकुश नगर में खाना बनाते समय युवक के शरीर पर आग लग गई। गंभीर रूप से झुलसे युवक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।घटना लवकुश नगर क्षेत्र की है, जहां एक युवक घर में खाना बनाने के दौरान अचानक आग की चपेट में आ गया। आग लगने से युवक के शरीर के बड़े हिस्से पर गंभीर जलन हुई। स्थानीय लोगों ने तुरंत युवक को बचाया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल छतरपुर भेज दिया।जिला अस्पताल में युवक को वर्ण वार्ड में भर्ती किया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने घटना की जानकारी लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

भगवत प्राप्ति के लिए कोई उम्र नहीं होती : पंडित अनिल कुमार शास्त्री

छतरपुर। सिटी कोतवाली के पीछे वार्ड नंबर 28 में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के 17वे आयोजन में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन में वृंदावन से पधारे कथावाचक पंडित अनिल कुमार शास्त्री जी के मुखारविंद से कहा भगवत प्राप्ति के लिए कोई उम्र नहीं होती आज नरसिंह अवतार और भक्त प्रहलाद की कथा का सभी भक्तों को श्रवणपान कराया गया।

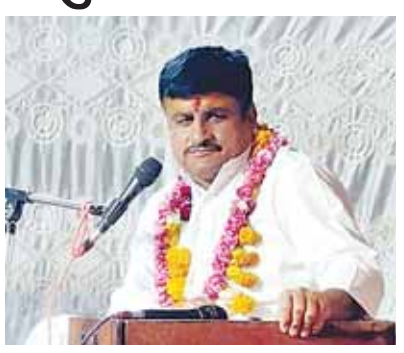

भागवत कथा के तीसरे दिन नरसिंह अवतार और भक्त प्रहलाद की कथा का श्रवण पान कराया गया। कथा में मुख्य यजमान के रूप में वीरेंद्र परमार अपनी धर्मपत्नी सुमन परमार के साथ उपस्थित रहे तथा कथा में नरसिंह भगवान की सुंदर झांकी सजाई गई जिसके सभी ने दर्शन किए । इस मौके पर श्याम बिहारी पाटकर, लालजी पाटकर, लल्लू सोनी, राकेश नामदेव, मंगल सिंह, उमाशंकर पाटकर, गिरजा पाटकर, अमित सोनी गुड्डू , पवन सोनी , संजय खरे,भैया खरे , राजू रैकवार, सभी युवा बालभक्त सहित वार्ड के सभी वृद्धजन सहित माताएं बहने एवं युवा साथी वार्ड वासी एवं समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे।

शुभारंभ से पहले ही बदहाल व्यवस्थाएं : नवीन सिविल अस्पताल के मुख्य गेट के कांच टूटे

नौगांव। नगर के टीव्ही अस्पताल परिसर में बनी करोड़ों रुपए की लागत से बिल्डिंग बन कर तैयार भी नहीं हुई थी कि बिल्डिंग शुरूआती चर्चा में आ गई थी। नव निर्मित अस्पताल को बने हुए काफी समय होने के बाद भी इसके शुभारम्भ पर देरी इसका एक कारण हो सकता है मगर संबंधित लोगों की क्या जिम्मेदारी है इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अस्पताल की बिल्डिंग निर्माण को करोड़ों रुपए मिला मगर गुणवत्ता का इसमें ख्याल नहीं रखा गया।

नगर में बनने जा रहे नवीन सिविल अस्पताल के शुभारंभ से पहले ही व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल के मुख्य गेट के कांच टूटने की घटना सामने आई है। जिससे सुरक्षा और गुणवत्ता दोनों पर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं।जानकारी के अनुसार, मुख्य गेट में लगे कांच अचानक टूट गए, जिससे गेट को काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों की सतर्कता से गेट को किसी तरह बचा लिया गया, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। इस घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उद्घाटन से पहले ही इस तरह की स्थिति है, तो आगे व्यवस्थाएं कैसी रहेंगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि कुछ ही क्षण के आंधी-तूफान में अस्पताल के मुख्य गेट का कांच टूट गया। जानकारी के अनुसार, तेज हवा के चलते गेट में लगे कांच चकनाचूर हो गए। हालांकि गनीमत रही कि समय रहते गेट को किसी तरह संभाल लिया गया, अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था।

तिवारी दंपत्ति ने लिया मरणोपरांत अंगदान का संकल्प

पुत्री अनामिका ने भी दी अपनी सहमति, समाज को दिया प्रेरणादायी संदेश

छतरपुर। समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने और दूसरों को नया जीवन देने के उद्देश्य से सागर रोड बगौता निवासी सुनील तिवारी एवं उनकी धर्मपत्नी प्रेक्षा तिवारी ने एक अनुकरणीय पहल की है। इस दंपत्ति ने मरणोपरांत अपने शरीर के अंगों को दान करने की आधिकारिक घोषणा की है, जिसमें लीवर, किडनी, हार्ट, लंग्स, पेनक्रियाज, हार्ट बाल्व,आँखें सहित अन्य अंग शामिल है। इसके लिए उन्होंने भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित पोर्टल पर अपना पंजीकरण पूर्ण कर लिया है।

पूरे परिवार का मिला समर्थन

इस नेक निर्णय की विशेष बात यह रही कि तिवारी दंपत्ति की एकमात्र पुत्री अनामिका ने भी सहर्ष अपने माता-पिता के इस निर्णय का समर्थन करते हुए अपनी लिखित सहमति प्रदान की है। एक ओर जहाँ अंगदान को लेकर समाज में कई भ्रांतियां हैं, वहीं एक ही परिवार के सभी सदस्यों का इस दिशा में एकजुट होना मानवता के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अंगदान से बच सकती हैं कई जानें

सुनील तिवारी एवं प्रेक्षा तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अंगदान एक महादान है। मृत्यु के पश्चात हमारा शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाता है, लेकिन यदि हमारे अंगों से किसी की दुनिया रोशन हो सके या किसी को जीवनदान मिल सके, तो यह सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया बहुत सुगम है और हर नागरिक को इस मुहिम से जुडऩा चाहिए।

धोडन बांध के हजारों विस्थापित अमित भटनागर के नेतृत्व में कलेक्टर का घेराव करने पहुंचे

न्याय न मिला तो प्रधानमंत्री का घेराव करने दिल्ली कूच करेंगे, दस हजार से ज्यादा लोग बसों में सवार होकर रवाना

छतरपुर। धोडऩ बांध प्रभावित क्षेत्र के चौदह गांवों के हजारों विस्थापित बमीठा खेल मैदान में एकत्र हुए। आप नेता अमित भटनागर के नेतृत्व में ये लोग कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने के लिए छतरपुर कूच कर गए। विस्थापितों ने मांग की कि यदि कलेक्टर उन्हें उचित मुआवजा और पुनर्वास का न्याय नहीं देते तो वे प्रधानमंत्री का घेराव करने दिल्ली कूच करेंगे। सूत्रों के अनुसार दस हजार से ज्यादा लोग बसों में भरकर छतरपुर पहुंचे। विस्थापित परिवार केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत बन रहे धोडन बांध से प्रभावित हो रहे हैं। इन लोगों का आरोप है कि विस्थापन के दौरान उनके अधिकारों की अनदेखी की जा रही है और उचित मुआवजा तथा पुनर्वास पैकेज नहीं दिया जा रहा है। अमित भटनागर ने विस्थापितों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास की परियोजनाएं जरूरी हैं लेकिन विस्थापितों के हितों की रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय प्रशासन जल्दी न्याय नहीं देता तो हजारों लोग दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री कार्यालय का घेराव करेंगे। बमीठा खेल मैदान से शुरू हुई यह रैली छतरपुर कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ी। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की और मांग की कि भू-अधिग्रहण कानून 2013 का सख्ती से पालन किया जाए तथा सभी प्रभावित परिवारों को कानून सम्मत मुआवजा और पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

कागजी वाहवाही एवं फोटोग्राफी तक सीमित रह गया ऐरा मवेशियों के सुरक्षा का अभियान

ऐश प्रथा से किसानों की तबाही, प्रबंधन के नाम पर गौशालाओं में भारी अनियमितता

रीवा। रीवा जिले सहित पूरे प्रदेश में ऐरा निराश्रित मवेशियों से किसान परेशान है। निराश्रित आवारा गोवंशो को पड़कर गौशालाओं एवं निर्धारित बाड़े में व्यवस्थित करने के लिए शासन द्वारा अभियान चलाने के लिए दिए गए आदेश का सत प्रतिशत पालन रीवा जिले में आज तक नहीं हो पाया। वैसे भोपाल से जारी आदेश का पालन सभी जिलों की तरह रीवा जिले में भी करना था। लेकिन देखा यह जा रहा है कि भोपाल से जारी आदेश के पालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा जनपद एवं अनुभाग स्तर के अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के बीच विशेष बैठकों का आयोजन कर किसानों के खेतों से लेकर सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों को व्यवस्थित करने के लिए समय समय पर आदेश के बाद निर्देश दिए गए। राजधानी से जारी आदेश के परिपालन हेतु रीवा जिला प्रशासन द्वारा क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारियों की विशेष बैठक लेकर निर्धारित तिथि तय करते हुए उस अंतराल में निराश्रित आवारा पशुओं को गौशाला एवं निर्धारित योजना अनुसार बाड़ा बनाकर व्यवस्थित करने के साथ-साथ उनके लिए चारा पानी की बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश कई बार जारी हुए। लेकिन आदेश का कहीं भी पालन नहीं हो पाया। यदि कहीं पालन भी हुआ है तो सिर्फ कागजी खानापूर्ति की व्यवस्था बनाई गई है।किसानी एवं जान के दुश्मन बने ऐश मवेशीऐरा प्रथा से न केवल किसानों की खेती बर्बाद हो रही है बल्कि सड़कों पर चलना भी जानलेवा साबित हो रहा है। हालत तो इसने खराब है कि किसान अब अपने पुश्तैनी व्यवसाय खेती करने से ही मुंह मोड़ने लगा है। क्योंकि इतनी महंगाई के दौर में किसान अपने खेतों की बुवाई करता है उपरांत खेतों में खड़ी फसल की रखवाली करना बड़ी चुनौती है आलम यह है कि खेतिहर किसान थोड़ी सी भी नजर चूका तो खेतों में लहलहाती फसल चंद घंटे में ही आवारा पशु नष्ट कर देते हैं। जिसके चलते किसान अपनी फसल की सुरक्षा के लिए जान जोखिम में डालकर दिन ही नहीं बल्कि काली अधियारी रात में खेतों की सुरक्षा में जुटा हुआ है। सवाल यह उठता है कि आखिर बैठकों में लिए गए निर्णयों का स्थानीय स्तर के जिम्मेदार जिम्मेदारी के साथ पालन कब करेंगे। क्या मुसीबत से जूझते किसानों को शासन से जारी आदेश अनुसार स्थानीय स्तर के जिम्मेदार निराश्रित आवारा पशुओं से निजात दिला पाएंगे। या फिर सब कुछ कागज में कार्यवाही तक ही सीमित होकर चलता रहेगा।आदेश एवं निर्देश तक सीमित आवारा मवेशी प्रबंधननिराश्रित पशुओं से क्षेत्र में छाई विकट समस्या के निजात हेतु शासन के आदेश तो आए। आदेश के पालन हेतु प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा एक नहीं दर्जनों बार पंचायत से लेकर राजस्व जैसे सभी विभागों की भारी भरकम बैठक ली गई। आयोजित बैठकों में लोक लुभावने मिले निर्देश सोशल मीडिया एवं अखबारों में प्रसारित हुए। जिम्मेदारों द्वारा दिए गए निर्देश के बाद किसानों में खुशियां नजर आई की अब आवारा निराश्रित पशुओं से निजात मिलेगा। लेकिन देखते ही देखते राजधानी से जारी आदेश और जिले से जारी निर्देश का 50 फीसदी किसी भी जिम्मेदार द्वारा पालन न किए जाने के कारण किसानों के अरमानों पर पानी फिर गया। आवारा मवेशियों के प्रबंधन हेतु आदेश के बाद निर्देश तक सीमित रहने के कारण अब तो लोगों में चर्चाएं होने लगी की आदेश और निर्देश सिर्फ और सिर्फ चंद पल के लिए लोक लुभावने शब्द है।अभियान चलते है पर प्रभावी कार्यवाही नहीं होती वैसे तो कहने के लिए शासन व प्रशासन की तरफ से आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी आए दिन होते रहते हैं। कई बार अभियान चले और अखबारों की सुर्खियां बने रहे। लेकिन यह सुर्खिया सिर्फ कुछ घंटे के लिए ही रही। रात बीती बात बीती जैसी कहानी सामने आई। नया सवेरा होते ही सब कुछ फोटोग्राफ्स एवं अखबारों की लाइनें तथा सोशल मीडिया के कुछ पल की खबरों तक ही सीमित रह गया। वास्तव में सतत रूप से आवारा मवेशियों के खिलाफ इस तरह के अभियान तब तक चलते रहने चाहिए जब तक की यह सभी निराश्रित पशु गौशालाओं या कांजी हाउस में कैद नहीं हो जाते। किंतु देखा जाता है कि प्रशासन अपना आदेश करने के बाद शांत बैठ जाता है ना तो कोई मॉनिटरिंग होती और ना ही कोई कार्यवाही।सड़कों में हो रही दुर्घटनाएं आवारा निराश्रित पशु दिन में किसानों की फसल चौपट करते हैं और पेट भरते ही सड़क को अपना आरामगाह बना लेते हैं सड़कों पर चहलकदमी करते या आशियाने की तरह डेरा डाले मवेशियों के चलते आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है कई सड़कों में देखा जाता है कि कई मवेशी वाहनों से दुर्घटना होकर मृत हो जाते हैं। क्योंकि दुर्घटनाग्रस्त घायल मवेशी के वहां उनके उपचार की भी कोई सुविधा नहीं होती। पशुपालन विभाग इस मामले में जिम्मेदार होते हुए भी कोई कार्यवाही नहीं करता इसीलिए विभागीय स्तर पर भी प्रभावी कार्यवाही नहीं होती।

ज्वैलरी शॉप में चोरी, शटर उखाड़कर घुसे बदमाश

काउंटर से चांदी के जेवरात पारतिजोरी तोड़ने में रहे नाकाम,चोरहटा थाना क्षेत्र के कचूर गांव की घटना

रीवा।

जिले में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कचूर से सामने आया है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने एक ज्वैलरी शॉप को निशाना बनाते हुए हजारों रुपए के चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। हालांकि चोर दुकान में रखी तिजोरी को तोड़ने में सफल नहीं हो सके, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमहिया निवासी रवी सोनी ग्राम कचूर में दुर्गा ज्वैलरी नाम से दुकान संचालित करते हैं। रोज की तरह शनिवार की देर शाम वे दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे।

रात के अंधेरे का फायदा उठाकर चोरों ने दुकान को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि चोरों ने दुकान का ताला तोड़ने के बजाय पूरा शटर ही उखाड़ दिया और अंदर प्रवेश कर गए। इसके बाद उन्होंने काउंटर में रखे चांदी के जेवरात समेट लिए। दुकान में रखी तिजोरी को तोड़ने का प्रयास भी किया गया, लेकिन सफल नहीं हो सके। घटना की जानकारी रविवार सुबह उस समय सामने आई जब गांव के लोगों ने दुकान का शटर टूटा हुआ देखा और इसकी सूचना दुकान संचालक को दी।

मौके पर पहुंचे रवी सोनी ने देखा कि काउंटर का सारा सामान गायब था। पीड़ित के अनुसार, चोर दुकान से चांदी के अधिकांश जेवरात चोरी कर ले गए हैं। घटना के बाद उन्होंने चोरहटा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बढ़ती चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशतबता दे क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा

बायपास में बीहर नदी पर पुराने पुल से 30 अप्रैल तक भारी वाहनों का प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित

पुल के गर्डर में दरार और पियर कैप क्षतिग्रस्त होने से वैकल्पिक मार्ग से गुजरेंगे भारी वाहन

रीवा । रीवा बायपास मार्ग में बीहर नदी पर पुराने पुल के गर्डर में दरार आने और पियर कैप क्षतिग्रस्त होने के कारण आगामी 30 अप्रैल तक इससे गुजरने वाले भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस पुल से गुजरने वाले भारी वाहन अब वैकल्पिक मार्ग से गुजरेंगे। इस संबंध में अपर जिला दण्डाधिकारी सपना त्रिपाठी ने आदेश जारी कर दिया है। पुल की स्थिति और जनमानस की सुरक्षा को देखते हुए हुए मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 के तहत यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुपालन के लिए पुलिस और परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया है। संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया है कि वे मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 116 के तहत मार्ग के विभिन्न हिस्सों पर स्पष्ट साइन बोर्ड और सूचनाएं प्रदर्शित करें ताकि चालकों को डायवर्जन की जानकारी मिल सके। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। वर्तमान में यह व्यवस्था वैकल्पिक और अस्थायी तौर पर की गई है ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू और सुरक्षित बनी रहे। यह आदेश मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम संभाग रीवा के प्रतिवेदन के आधार पर जारी किया गया है। यातायात को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान भी जारी किया गया है। इसके तहत बेला से प्रयागराज जाने वाले वाहनों को बेला से होटल शार्क इन, बीड़ा, गोदहा, सिरमौर और क्योटी होते हुए कलवारी मार्ग का उपयोग करना होगा। इसी प्रकार बेला से मिर्जापुर जाने वाले वाहनों को बेला से होटल शार्क इन, बीड़ा, गोदहा और सिरमौर होते हुए रीवा की ओर डायवर्ट किया गया है। वहीं मिर्जापुर या प्रयागराज की ओर से बेला जाने वाले वाहनों को रतहरा से सिलपरा, गोविन्दगढ़ और मुकुंदपुर होते हुए बेला भेजा जाएगा। सिलपरा और गोविन्दगढ़ वाले वैकल्पिक मार्गों पर निर्माण कार्य और सड़क की कम चौड़ाई के कारण भारी यातायात के लिए उन्हें पूरी तरह उपयुक्त नहीं माना गया है। ऐसी स्थिति में भारी वाहनों को शहर के पुराने नेशनल हाईवे-07 मार्ग से केवल रात्रि के समय निकालने की अनुमति दी गई है।

एसडीएम ने किया निरीक्षण – बीहर नदी पर पुराने पुल के गर्डर में दरार आने और पियर कैप क्षतिग्रस्त स्थल का एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी और पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण किया। एसडीएम ने पुल में आई दरार का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने भारी वाहनों के लिए यातायात व्यवस्था सुचारू व सुरक्षित रखने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

दिसम्बर तक चार सौ से अधिक गांवों में पहुंचेगा हर घर में स्वच्छ जल

उप मुख्यमंत्री ने जवा विकासखंड में जल जीवन मिशन के प्रचिलत कार्यों की समीक्षा

रीवा । उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा जिले के जवा विकासखंड में जल जीवन मिशन के प्रचिलत कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि हर घर को स्वच्छ जल पहुंचाने की इस महत्वपूर्ण योजना में नियत समय पर सभी कार्य पूर्ण कराएं तथा दिसम्बर माह तक सभी 419 ग्रामों में हर घर को स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं।

अतरैला के डब्ल्यूटीपी स्थल में आयोजित समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर को स्वच्छ जल पहुंचाने की प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना को पूरी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने कहा कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शहरों की तरह ही घर में स्वच्छ जल उपलब्ध होगा और दूषित पानी से होने वाली बीमारियों से छुटकारा मिलेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जून माह से लेकर दिसंबर माह तक चरणबद्ध क्रम में निर्धारित ग्रामों के हर घर को स्वच्छ जल मिले इसके लिए टंकियों का निर्माण कार्य तथा पाइप लाइन डालने का कार्य त्वरित गति से किया जाए। उन्होंने इंटेकवेल, डब्ल्यूटीपी एवं टंकियों के निर्माण की अद्यतन जानकारी विभागीय अधिकारियों से प्राप्त की। शुक्ल ने कहा कि अतरैला सहित अन्य स्थानों में पाइपलाइन के लिए जो खुदाई की गई है उसको आगामी दो दिन में व्यवस्थित कराएं ताकि स्थानीय रहवासियों को असुविधा न हो। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों में वन विभाग से अनुमति के लिए सूची उपलब्ध कराएं ताकि अनुमति दिलाई जा सके और कार्यों में विलंब न हो। इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी तेज गति से कार्य करे और विभागीय अधिकारी सतत मॉनिटरिंग करें। बैठक में विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह ने आवश्यक मार्गदर्शन दिया। बैठक में महाप्रबंधक जल निगम चित्रांशु ने बताया कि जून माह तक 33 ग्रामों में, सितंबर माह तक 229 गांवों में तथा दिसम्बर माह तक 419 गांवों में घर घर में स्वच्छ जल पहुंचा दिया जायेगा। निर्माण एजेंसी एनसीसी लिमिटेड द्वारा आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि ने जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए भूमि दानदाताओं का सम्मान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, जिला पंचायत सदस्य पूर्णिमा तिवारी, जनपद अध्यक्ष रवीना साकेत, ,राजेश पांडेय, एसडीएम पीयूष भट्ट, तहसीलदार जितेंद्र तिवारी, त्रियुगीनारायण शुक्ल सहित जल निगम के अधिकारी तथा स्थानीयजन उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने जोन्हा स्थित इंटेकवेल का निरीक्षण भी किया।

शातिर अपराधी अतुल तिवारी को चाकू के साथ गिरफ्तार कर अमहिया पुलिस ने की आर्म्स एक्ट की कार्यवाही

सिरमौर चौराहे के पास अवैध चाकू लेकर गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे

रीवा। पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेंद्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीवा आरती सिंह के निर्देशन में तथा नगर पुलिस अधीक्षक रीवा डा. रितु उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमहिया उनि शिवा अग्रवाल स्टाप के साथ मिलकर 4 अप्रैल को अटल पार्क के बगल में पी.डब्ल्यू.डी. वाली गली में गंभीर अपराध को अंजाम देने की फिराक में अवैध चाकू लेकर घूम रहे आरोपी अतुल तिवारी पिता भाई लाल तिवारी उम्र 25 वर्ष निवासी नीम चौराहा आनंद नगर थाना विश्वविद्यालय जिला रीवा के विरुध्द आर्म्स एक्ट की कार्यवाही की गई। एक अदद अवैध लोहे का चाकू जप्त की गई उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी अमहिया शिवा अग्रवाल, प्रधान आर0 , आर0 विकास तिवारी,आर0 दिवाकर तिवारी, आर0 कौशलेंद्र सिंह परिहार की मुख्य भूमिका रही

ननि ठेका खत्म होने के बाद भी जारी थी बाजार बैठकी अवैध वसूली

विरोध करने पर दुकानदारों को मिल रही थीं धमकियां, अवैध वसूली पर पुलिस की कार्यवाही आरोपी हुआ गिरफ्तार, सरगना फरार

रीवा। शहर में वर्षों से जड़ें जमा चुकी गुंडा टैक्स वसूली के खेल पर पुलिस ने आखिरकार शिकंजा कस दिया है। अमहिया थाना पुलिस ने सुनियोजित कार्रवाई करते हुए फ्लाईओवर के नीचे दुकानदारों से अवैध वसूली कर रहे एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है, जबकि इस पूरे नेटवर्क का सरगना मौके से फरार हो गया। मामला उस समय सामने आया जब फ्लाईओवर के नीचे दुकान लगाने वाले व्यापारियों ने लगातार हो रही वसूली और धमकियों से परेशान होकर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद एक ऑडियो भी सामने आया, जिसमें आरोपी खुलेआम पैसे की मांग करते हुए धमकी देता सुनाई दे रहा है। यह ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। जानकारी के मुताबिक, संबंधित स्थान का ठेका पहले टैक्सी स्टैंड संचालन के लिए दिया गया था, लेकिन ठेका अवधि समाप्त होने के बावजूद ठेकेदार के गुर्गे वहां कब्जा जमाए रहे और दुकानदारों से नियमित रूप से रकम वसूलते रहे। प्रति दुकान तय दर के हिसाब से पैसे लिए जाते थे, जिससे हर महीने मोटी कमाई की जा रही थी। दुकानदारों का आरोप है कि जब उन्होंने इस अवैध वसूली का विरोध किया, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। कई लोगों ने डर के कारण चुप्पी साध ली, जिससे यह अवैध धंधा लगातार चलता रहा। बता दे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अमहिया थाना प्रभारी ने टीम गठित कर योजना बनाई। पुलिस ने मौके पर जाल बिछाया और जैसे ही आरोपी वसूली के लिए पहुंचा, उसे रंगे हाथ पकड़ लिया गया। आरोपी के पास से वसूली से जुड़े साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। कार्रवाई की भनक लगते ही इस रैकेट का मुख्य सरगना फरार हो गया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है और संभावित ठिकानों पर तलाश जारी है। इस पूरे मामले में नगर निगम और संबंधित विभागों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। वर्षों से चल रही इस वसूली पर कार्रवाई न होना प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है।

मऊगंज जिला भाजपा कार्यालय का भूमि पूजन आज डिप्टी सीएम सहित कई दिग्गज होंगे शामिल

मऊगंज भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार 06 अप्रैल 2026 को भाजपा जिला कार्यालय मऊगंज के भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अजय मिश्रा रज्जू ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे चाक मोड़ स्थित पुलिस कंट्रोल रूम परिसर बगल में संपन्न होगाउन्होंने बताया कि भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से शामिल होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, प्रभारी मंत्री लखन पटेल, संभाग संगठन प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मिश्रा, जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं देवतालाब विधायक गिरीश गौतम, मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल सहित कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी।मीडिया प्रभारी ने आगे बताया कि कार्यक्रम के बाद प्रभारी मंत्री लखन पटेल दोपहर 1:30 बजे जिला भाजपा कोर कमेटी की बैठक में शामिल होंगे। इसके पश्चात 2:15 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय समिति की बैठक भी लेंगे।

डगा भूमि विवाद में बड़ा खुलासा: एक ही जमीन की तीन सीमाएं, रजिस्ट्री और राजस्व रिकॉर्ड में भारी अंतर

सीमांकन प्रक्रिया पर उठे सवाल, पेट्रोल पंप की जमीन भी विवाद में आने के संकेत

सिंगरौली। जिले की बरगवां तहसील अंतर्गत चर्चित डगा-गरेड़िया भूमि विवाद में एक और सनसनीखेज खुलासा सामने आया है। विवादित जमीन से जुड़े रजिस्ट्री अभिलेख, राजस्व विभाग की सीमांकन रिपोर्ट और पटवारी द्वारा तैयार नजरि नक्शे में भारी अंतर पाया गया है।

एक ही जमीन की अलग-अलग सीमाएं सामने आने से पूरे मामले में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मामला आराजी नंबर 2157, रकबा 0.4580 हेक्टेयर से जुड़ा हुआ है। इस भूमि के संबंध में तैयार किए गए विभिन्न दस्तावेजों में जमीन की सरहदों का विवरण अलग-अलग दर्ज है, जिससे सीमांकन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। रजिस्ट्री अभिलेख के अनुसार उक्त भूमि की उत्तर और पूर्व दिशा में मध्यप्रदेश शासन की भूमि, दक्षिण दिशा में बैढ़न-बरगवां मुख्य मार्ग तथा पश्चिम दिशा में गुंजनलाल तिवारी की भूमि दर्ज है। वहीं, राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन के लिए जारी सूचना पत्र दिनांक 19 दिसंबर 2024 में पड़ोसी कृषकों के रूप में राजकुमार विश्वकर्मा, बंसीलाल यादव, सरजू कुमार साकेत, अंजेश कुमार और शिवकुमार के नाम दर्ज कर उन्हें नोटिस जारी किया गया। हैरानी की बात यह है कि सीमांकन ही नहीं किया गया। सीमांकन फाइल में संलग्न पटवारी के नजरि नक्शे में सड़क का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जबकि रजिस्ट्री दस्तावेज में स्पष्ट रूप से मुख्य मार्ग दर्शाया गया है। दस्तावेजों के इस विरोधाभास ने पूरे मामले को और अधिक संदिग्ध बना दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि रजिस्ट्री अभिलेख के आधार पर सीमांकन किया जाना था, तो केवल पश्चिम दिशा में स्थित निजी भूमि स्वामी गुंजनलाल तिवारी को ही नोटिस दिया जाना चाहिए था, क्योंकि अन्य तीन दिशाओं में शासकीय भूमि और सड़क दर्ज है। लेकिन सीमांकन के दौरान गुंजनलाल तिवारी को नोटिस न देकर अन्य कृषकों को नोटिस जारी किया गया, जिससे यह आशंका बलवती हो रही है कि वास्तविक जमीन का सीमांकन ही नहीं किया गया।

मामले में एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह सामने आया है कि गुंजनलाल तिवारी की भूमि गरेड़िया क्षेत्र में स्थित है, जबकि उन्हें डगा की जमीन का सरहदी कृषक दर्शाया गया है। इससे पूरे प्रकरण में दस्तावेजी हेरफेर की पुष्टि होती नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार, गढ़िया क्षेत्र की शासकीय भूमि, खसरा नंबर 8, को हड़पने की सुनियोजित साजिश रची गई थी। हालांकि, राजस्व विभाग द्वारा की गई जांच के बाद इस मामले में बेदखली आदेश भी पारित किया जा चुका है। इसी बीच, यह सवाल भी उठने लगा है कि जब गरेड़िया की भूमि को डगा क्षेत्र की आराजी नंबर 2157 के रूप में दर्शाया जा रहा है, तो उसी क्षेत्र में पेट्रोल पंप की जमीन गढ़िया में कैसे दर्ज हो गई। इस विसंगति के चलते पेट्रोल पंप की जमीन भी विवाद के दायरे में आ सकती है। वर्तमान में बरगवां राजस्व विभाग एवं उपखंड कार्यालय देवसर द्वारा इस प्रकरण से जुड़े सभी दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को गढ़ने की सतत प्रक्रिया है प्रशिक्षण वर्ग : विजय दुबे

मऊगंज रीवा संभाग के प्रभारी ने रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 को किया संबोधित

मऊगंज। जिले के देवतालाब मंडल में प्रशिक्षण वर्ग का समापन करते हुए कहा कि भाजपा संगठन सेवा और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को गढ़ने की सतत प्रक्रिया है।

समय-समय पर आत्मविश्लेषण कर संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए जनता की सेवा के कार्यों के लिए पूरी तरह से समर्पित रहना भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान है।भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के महापुरूषों के बताए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ जनता की सेवा कर रहेहै उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग सिर्फ एक अवसर नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है जो कार्यकर्ता को न केवल बेहतर बनाने के साथ संगठन को भी मजबूती प्रदान करती है। प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और निष्ठा का संचार करना है, जिससे वे संगठन के विकास में अपना योगदान और अधिक प्रभावी ढंग से दे सकें। भाजपा की सफलता और संगठन क्षमता विचारधारा के साथ कार्यकर्ताओं की निरंतर शिक्षा, साधना और अभ्यास पर भी निर्भर करती है इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा सहित पार्टी की अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे अभ्यास वर्ग का शुभारंभ वंदे मातरम गीत से एवं समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया 24 घंटे मैं आठ सा त्र के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी के वैचारिक प्रतिष्ठान कार्य पद्धतिसहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई वहीं प्रभात कल योग और व्यायाम भी कराए गए।